प्रेशक,

अधिशासी अभियन्ता,
खण्ड कार्यालय,
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
उन्नाव।

सेवा में,

अधिशासी निदेशक,
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग,
किसान बाजार, प्रथम तल, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ।

पत्रांक- 1297 / ц-1-A / 33 दिनांक- 18.05.2026

विषयः- <u>दैनिक समाचार पत्र "अमर उजाला" में दिनांक 18.05.2026 प्रकाशित खबर शीर्षक "शुद्ध पानी के लिए जद्दोजहद कर रही 18 लाख की आबादी" नामक खबर के सम्बन्ध में आख्या।</u>

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र "अमर उजाला" में दिनांक 18.05.2026 प्रकाशित खबर शीर्षक "शुद्ध पानी के लिए जद्दोजहद कर रही 18 लाख की आबादी" नामक खबर के सम्बन्ध में अवगत कराना है केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ''हर घर जल'' के फेज-IV के अन्तर्गत जनपद उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रों में सतहीं स्रोत आधारित पाइप पेयजल परियोजनाओं के कार्य प्रस्तावित हैं, योजना पूर्ण करने की लक्षित तिथि दिसम्बर, 2027 है। योजनान्तर्गत क्लस्टर- ए की भौतिक प्रगति 39.20 प्रतिशत एवं क्लस्टर- बी की भौतिक प्रगति 39.40 प्रतिशत है। विगत लगभग दो वर्षों से वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण Phase-IV के कार्य की प्रगति प्रभावित हुयी है। भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन को जे0जे0एम0-2.0 के रुप में दिसम्बर, 2028 तक विस्तारित किया गया है। भारत सरकार से विगत माह जुलाई 2024 से कोई भी धनराशि प्राप्त नही हुयी है तथा माह अक्टूबर 2024 से कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ का भुगतान शेष है।

उक्त खबर के सम्बन्ध में आख्या पत्र के साथ संलग्न कर सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(अजीत कुमार सिंह)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 व दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपिः- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2. जिलाधिकारी महोदय, उन्नाव।
3. मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
5. अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति), उन्नाव।

अधिशासी अभियन्ता

- दैनिक समाचार पत्र "अमर उजाला" में दिनांक 18.05.2026 को प्रकाशित खबर शीर्षक "शुद्ध पानी के लिए जद्दोजहद कर रही 18 लाख की आबादी" नामक खबर के सम्बन्ध में आख्या।

कार्यालय का नामः– अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव।

शिकायत का विवरण

https://www.amarujala.com/uttar-pradesh/unnao/a-population-of-18-lakhs-is-struggling-for-pure-water-unnao-news-c-221-1-sknp1055-150565-2026-05-18

"शुद्ध पानी के लिए जद्दोजहद कर रही 18 लाख की आबादी"

ग्रामीण क्षेत्र की करीब 18 लाख की आबादी शुद्ध पानी के लिए कड़ी जद्दोजहद कर रही है। जिस योजना से ग्रामीणों को शुद्ध पानी देना था, उसका काम 361 करोड़ का भुगतान न होने से कार्यदायी संस्था ने छह माह से बंद कर रखा है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में पानी का संकट बढ़ गया है। कोई हैंडपंप पर लाइन लगा रहा है तो कोई साइकिल से पानी ढोकर ला रहा है। योजना के बंद होने से गांव के लोगों की पानी की समस्या दूर होने की फिलहाल उम्मीद कम ही नजर आ रही है।

जल जीवन मिशन -फेज)4) के तहत चलाई जा रही ग्राम समूह पेयजल योजना का काम डेढ़ साल पहले शुरू हुआ था। योजना से 26 जनवरी 2026 तक 1037 ग्राम पंचायतों की करीब 18 लाख की आबादी को नल से जल उपलब्ध कराना था। जिले में कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर काम कर रही है। फर्म को अक्टूबर 2024 से भुगतान नहीं हुआ है। फर्म ने 40 फीसदी काम पूरा होने का दावा करते हुए भुगतान के लिए करीब 321 करोड़ के बिल जल निगम के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड कराए। उधर, केंद्र सरकार ने भुगतान नहीं किया। इससे फर्म ने अक्टूबर 2025 में काम करना बंद कर दिया। ऐसे में 60 फीसदी काम शेष बचा है। ग्रामीणों का शुद्ध पानी के लिए इंतजार बढ़ गया है।

बंद हो चुकी हैं 41 पुरानी परियोजनाएं, दूर से ला रहे पानी

ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 1995 में जिले की 72 ग्राम पंचायतों में पेयजल ट्यूबवेल और टंकियां स्थापित कराई गई थीं। जल निगम ने आसपास गांवों तक भूमिगत पाइप लाइनें बिछाकर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की थी। वर्तमान में 41 टंकियां बंद चल रही हैं। जलनिगम के तकनीकी अधिकारियों के अनुसार, एक पेयजल योजना की मियाद 15 से 20 साल होती है। ग्रामीण पेयजल योजनाएं समय सीमा पूरी कर चुकी हैं। पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कुछ की मोटर खराब हुई तो किसी की बोरिंग चोक हो गई। मरम्मत के अभाव में यह पेयजल योजनाएं जलापूर्ति नहीं कर पा रही हैं।

योजना एक नजर में

कुल लागत-5.4 अरब, भुगतान लंबित-3.21 अरब ग्राम पंचायत-1037, कुल आबादी-18 लाख, कुल घर-6.11 लाख पाइप लाइन प्रस्तावित-12823 किमी, अब तक 6787 किमी का काम पूरा हुआ

आख्या

दैनिक समाचार पत्र "अमर उजाला" में दिनांक 18.05.2026 प्रकाशित खबर शीर्षक "शुद्ध पानी के लिए जद्दोजहद कर रही 18 लाख की आबादी" नामक खबर के सम्बन्ध में अवगत कराना है केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन "हर घर जल" के फेज–IV के अन्तर्गत जनपद उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रों में सतही स्रोत आधारित पाइप पेयजल परियोजनाओं के कार्य प्रस्तावित हैं। हैं। योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों के कार्य प्रारम्भ की तिथि 27.07.2023 एवं कार्य पूर्ण की तिथि 31.12.2027 निर्धारित है। योजनान्तर्गत जनपद उन्नाव की 1037 ग्राम पंचायतों में सम्मिलित समस्त 1673 ग्रामों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु दो भागो मे विभक्त करते हुए क्लस्टर 'ए' (कार्यलागत–रू0 1584.67 करोड़) के अन्तर्गत 917 राजस्व ग्रामों एवं क्लस्टर 'बी' (कार्यलागत–रू0 1357.50 करोड़) के अन्तर्गत 756 राजस्व ग्रामों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु कार्यों का विवरण एवं प्रगति निम्नवत है–

	उन्नाव सतही स्रोत आधारित पेयजल योजना (क्लस्टर–ए)		उन्नाव सतही स्रोत आधारित पेयजल योजना (क्लस्टर–बी)	
कम्पोनेन्ट	कुल कम्पोनेन्ट्स	कार्य की प्रगति	कुल कम्पोनेन्ट्स	कार्य की प्रगति
इण्टेकवेल	01 No. (359MLD)	01 WIP (74.00%)	-	-
वाटर ट्रीटमेंट प्लांट	01 No. (170MLD)	01 WIP (57.66%)	01 No. (130MLD)	01 WIP (60.94%)
क्लियर वाटर रिजरवायर	28 Nos.	24 WIP (17.41%)	27 Nos.	26 WIP (24.23%)
ओवर हेड टैंक	239 Nos.	208 WIP (21.44%)	204 Nos.	186 WIP (22.39%)
रॉ वाटर पाइप लाइन	1.10 Km.	0.85km(77.18%)	29.80 Km.	9.38Km. (31.75%)
वितरण पाइप लाइन	6862.46 Km.	3535.525 km (51.51%)	5960.65 Km.	3357.99 km (56.055%)
रोड कटिंग/पुर्नस्थापना	1203.55 Km.	1057.50 km (87.86%)	1209.80 Km.	1095.20 km (90.52%)
गृह नल संयोजन संख्या	265431 Nos.	51289 Nos. (19.32%)	189798 Nos.	41928 Nos. (22.09%)

चयनित एजेन्सी मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ द्वारा वर्तमान में इन्टेकवेल, डब्ल्यू0टी0पी0 (क्लस्टर–बी), डब्ल्यू0टी0पी0 (क्लस्टर–ए), 394 Nos. OHT, 50 Nos. CWR, 190 नग अवर जलाशय की बाउण्ड्रीवाल के कार्य प्रारम्भ कराये गये हैं, 1327 राजस्व ग्रामों में कार्यों को प्रारम्भ कराते हुये लगभग 6893 किमी. वितरण प्रणाली का कार्य कराया गया है एवं पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु 2413 कि.मी. सड़क काटी गयी जिसके सापेक्ष 2152.70 किमी (89.20%) सड़क पुनर्स्थापना तथा अवशेष सड़क को मोटरेबल करने का कार्य किया गया है. शेष कार्य प्रगति पर हैं। योजना के इनटेकवेल, डब्ल्यू0टी0पी0, रॉ वाटर राइजिंग मेन, क्लियर वाटर राइजिंग मेन, सी. डब्ल्यू.आर. तथा शिरोपरि जलाशय के कार्यों के पूर्ण होने के उपरान्त FHTC के माध्यम शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। वर्तमान में जल जीवन मिशन (फेज–IV) के अन्तर्गत निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। योजनान्तर्गत क्लस्टर–A की भौतिक प्रगति 39.20 प्रतिशत एवं क्लस्टर–B की भौतिक प्रगति 39.40 प्रतिशत है। भारत सरकार से विगत माह जुलाई 2024 से कोई भी धनराशि प्राप्त नही हुयी है तथा माह अक्टूबर 2024 से कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ का 293.49 करोड़ (क्लस्टर–ए हेतु 147.15 करोड़ एवं क्लस्टर–बी हेतु 146.34 करोड) का भुगतान शेष है जिसके कारण कार्यों की प्रगति प्रभावित है। योजना पर फर्म की लम्बित देयता का भुगतान तथा भविष्य में योजना की स्वीकृत धनराशि की सतत उपलब्धता भारत सरकार/राज्य सरकार से प्राप्त होने पर योजना की प्रगति निर्धारित समयावधि में प्राप्त की जा सकेगी। विगत लगभग दो वर्षों से वित्तीय

कुल ओवरहेड टैंक व टंकियां-443-निर्माण कार्य शुरू हो पाया-394, पूरा एक भी नहीं कार्यदायी संस्था का भुगतान अक्टूबर 2024 से लंबित है। यह पूरे प्रदेश की स्थिति है। इसी कारण संस्था ने काम बंद कर दिया है। विभाग की ओर से भुगतान के लिए कई बार पत्राचार किया गया है। रिमाइंडर पत्र भी भेजे जा चुके है। फिलहाल भुगतान नहीं मिला है लेकिन समयावधि बढ़ाकर 31 दिसंबर 2027 कर दी गई है।	संसाधनों की कमी के कारण जनपद में निर्माणाधीन योजनाओं के कार्यों की प्रगति प्रभावित हुयी है। भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन को जे0जे0एम0–2.0 के रुप में दिसम्बर, 2028 तक विस्तारित किया गया है। उक्त के अतिरिक्त अवगत कराना है कि 71 नग पूर्व निर्मित भूजल आधारित पेयजल योजनायें जो वर्ष 1981–1995 में 40 एल.पी.सी.डी. की दर पर 15 वर्ष हेतु डिजाइन की गई थी, जो अपनी अभिकल्पित आयु पूर्ण कर चुकी है, योजनाओं के अन्तर्गत बिछायी गयी अधिकांश वितरण प्रणाली को लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग एवं अन्य विभागो द्वारा क्षेत्र मे कराये गये विकास कार्यों के दौरान अधिकांशतः क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। जिस कारण 71 योजनाओं में से 18 नग परियोजनाओं से आंशिक जलापूर्ति ही हो पा रही है एवं 53 नग परियोजनायें पूर्णतयः बन्द हैं।

अधिशासी अभियन्ता

प्रेषक,

अधिशासी अभियन्ता,
खण्ड कार्यालय,
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
उन्नाव।

सेवा में,

अधिशासी निदेशक,
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग,
किसान बाजार, प्रथम तल, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ।

पत्रांक- 1297 / W-1-A / 33 दिनांक- 18-05-2026

विषय:- दैनिक समाचार पत्र "अमर उजाला" में दिनांक 18.05.2026 प्रकाशित खबर शीर्षक "शुद्ध पानी के लिए जद्दोजहद कर रही 18 लाख की आबादी" नामक खबर के सम्बन्ध में आख्या।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र "अमर उजाला" में दिनांक 18.05.2026 प्रकाशित खबर शीर्षक "शुद्ध पानी के लिए जद्दोजहद कर रही 18 लाख की आबादी" नामक खबर के सम्बन्ध में अवगत कराना है केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ''हर घर जल'' के फेज-IV के अन्तर्गत जनपद उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रों में सतही स्रोत आधारित पाइप पेयजल परियोजनाओं के कार्य प्रस्तावित हैं, योजना पूर्ण करने की लक्षित तिथि दिसम्बर, 2027 है। योजनान्तर्गत क्लस्टर- ए की भौतिक प्रगति 39.20 प्रतिशत एवं क्लस्टर- बी की भौतिक प्रगति 39.40 प्रतिशत है। विगत लगभग दो वर्षों से वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण Phase-IV के कार्य की प्रगति प्रभावित हुयी है। भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन को जे0जे0एम0-2.0 के रुप में दिसम्बर, 2028 तक विस्तारित किया गया है। भारत सरकार से विगत माह जुलाई 2024 से कोई भी धनराशि प्राप्त नही हुयी है तथा माह अक्टूबर 2024 से कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ का भुगतान शेष है।

उक्त खबर के सम्बन्ध में आख्या पत्र के साथ संलग्न कर सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(अजीत कुमार सिंह)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 व दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2. जिलाधिकारी महोदय, उन्नाव।
3. मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
5. अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति), उन्नाव।

अधिशासी अभियन्ता